# Fr. Agnel School

Waliv, Vasai (E)

**1st Unit Test Exam**

**Std.: 8th** **Sub: Hindi** **Total Marks : 20**

---

## विभाग १ गद्य

**प्र .१ निम्नलिखित गदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए -**

तीसरी राजकुमारी को इस बात का यकीन था कि पिता जी नेउन्हें यूँ ही दाले नहीं दिए होंगे| जरूर इसके पीछे कोई मकसद होगा | पहले तो उसने भी अपनी दूसरी बहनों कीतरह ही उन्हें सहेजकर रख देने की सोची, लेकिन वह ऐसे न कर सकी| दो - तीन दिनों तक वह सोचती रही, फिर उसने अपने कमरे की खिड़की के पीछेवाली जमीन में वे दाने बो दिए समय पर अंकूर फूटे| पौधे तैयार हूए दाने निकले राजकुमारी ने तैयार फसल में से दाने निकाले और फिर से बो दिए| इस तरह पॉच वर्षो में उसके पास देर सारे गेहुँ तैयार हो गया |

पाचँ साल बाद राज ने फिर चारों बहनों को बुलाया और कहा- "आज से पॉच साल पहले मैंने तुम चारो को गेहुँ को सौ - सौ दाने दिए थे और कहा था कि पॉच साल बाद मूझे वापस करना| कहॉ हैं वे दाने?"

बड़ी राजकुमारी भंडार घर जाकर गेहूँ के दाने ले आई और राजा को दे दिए| राज ने पूछा, "क्या ये वही दाने हैं जो मैंने तुम्हें दिए थे?"

पहले तो राजकुमारी ने 'हॉ ' कहा दिया मगर राज ने फिर कड़ककर पूछा तब उसने सच्ची बात बता दी|

राज ने दूसरी से पूछा - "तुम्हारे दाने कहॉ हैं?"

दूसरी राजकुमारी अपनी संदूकची में से मखमल के खोलवाली डिब्बा उठा लाई, जिसमें उसने गेहुँ के दाने सहजकर रखे थे|राज ने उसे खोलकर देखा- दाने सड़ गए थे |

तीसरी राजकुमारी से पूँछा - "तुमने क्या किया उन दानों का?"

तीसरी ने कहा - "मैं इसका उत्तर आपको अभी नहीं दूँगी, क्योंकि जवाब पाने के लिए आपको यहॉ से दूर जाना पड़ेगा और मैं आपको वहॉ कल ले चलूँगी |"

**१.आकृति पूर्ण कीजिए -** २

i) फसल तैयार होने की प्रकिया

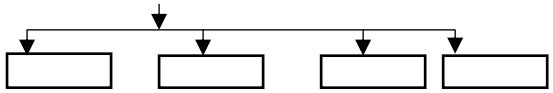

ii) बड़ी राजकुमारी गेहूँ के दाने १

२ परिणाम लिखिए. २

i) गेहुँ के दानों को बोने का परिणाम

ii) पहली राजकुमारी को कडककर पूछने का परिणाम

**प्र .२ निम्नलिखित गदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए -**

अगर आदमी अपने शरीर की, मन की और वाक की अनायास घटने वाली वृत्तियों के विषय में विचार करे तो उसे अपनी वास्तविक प्रवृत्ति पहचानने मे बहुत सहायता मिले | मनुष्य की नख बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है, वह उसके पशुत्व प्रमाण है| उन्हें काटने की जो प्रवृत्ति है, वक उसकी मनुष्यता की निशानी है|

मेरा मन पूछता है - मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है? पशुता की ओर या मनूष्यता की ओर अस्त्र बढ़ाने की ओर? या अस्त्र काटने की ओर मेरी निर्बोध बालिका ने मानो मनुष्य जाति से ही प्रश्न किया है - जानते हो, नाखून क्यों बढ़ाते हैं ? यह हमारी पशुता के अवशेष हैं | मैं भी पूछता हूँ - जानते हो, ये अस्त्र - शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं ? ये हमारी पशुता की निशानी हैं|स्वराज होने के बाद स्वभावतः ही हमारे नेता और

विचारशील नागरिक सोचने लगे हैं कि इस देश को सच्चे अर्थ में सुखी कैसे बनाया जाए| हमारी परंपरा महिमामयी और सम्स्कारा उज्ज्वल हैं क्योंकि अपने आप पर, अपने आप द्वारा लगाया हुआ बंधन हामारी संस्कृति की बहुत बड़ी विशेषता है|

मतुष्य पशु से किस बात में भिन्न है! उसमें संयम है, दूसरे के सुख - दुख के प्रति समवेदना है , श्रद्धा है, तप है, त्याग है| इसीलिए मनुष्य झगड़े टंटेको अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ - दोड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है | वचन, मन एव शरीर से गए असत्याचरण को गलत मानता है|

**१.आकृति पूर्ण कीजिए -**

i) आदमी की इनसे अनायास वृतियॉ घटित होती है १

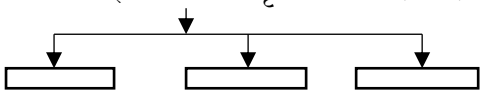

ii) लेखक के मन ने पूछा १

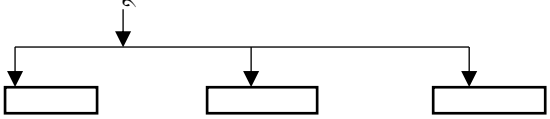

iii) देश को सुखी बनाने के बारे में सोचने वाले लोग १

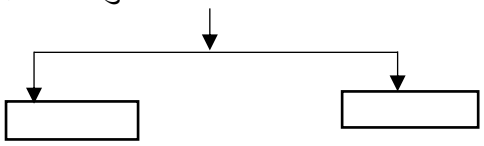

२ मनुष्य को पशु से भिन्न दर्शाने वाली बातों के संदर्भ में अपने विचार लिखिए २

**<u>विभाग २ पदय</u>**

**प्र २ निम्नलिखित पदयांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए -**

हे मातृभूमि ! तेरे चरणों में शीश नावाऊँ|
मैं भक्ति भेंट अपनी , तेरी शरण में लाऊ||
माथे पे तू हो चंदन , छाती पे हो माला;
जिह्वा पे गति तू हो मेरा , तेरा ही नाम गाऊँ||
जिससे सपूत उपजें , श्री राम कृष्ण जैसे;
उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ||

१.संजाल पूर्ण कीजिए - १

पदयांश में आए शारीरिक अवयव

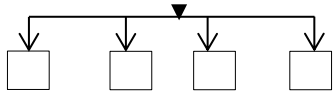

पदयांश में आए दो पौराणिक चरित्र १

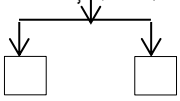

२.उचित जोडियॉ मिलाओ | २

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| १.भक्ति | अ.माला |
| २.माथा | आ.भेंट |
| ३.छाती | इ.गीत |
| ४.जिह्वा | ई.चंदन |

## विभाग ३ व्याकरण

**प्र ३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए -**

**१ निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए** १

i) शहर ii) ऊपर

**२ निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके मूल शब्द लिखिए** १

i) बेमौसम ii) असुर

**३ निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए** १

i) खंभे ii) रात

**४ निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए** १

i) ऑख ii) गैया

**५ निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाओ** १

i) समुद्र ii) बलिदान

**६ निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए** १

i) जनक ii) धरती

**********